हम कुछ करके दिखलाएँगे
कक्षा - आठवीं

विषय – हिंदी (LOWER HINDI)
पाठ : १
पाठ का नाम : हम कुछ करके दिखलाएँगे
PPT-3

Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

जो लोग हारकर बैठे हैं ,
उम्मीद मारकर बैठे हैं ,
हम उनके बुझे चेहरों में ,
फिर से उत्साह जगाएँगे ।

शब्दार्थ -
उम्मीद = भरोसा , आशा
उत्साह = जोश

भावार्थ -जो लोग निराश और हतोत्साहित हो गए हैं , बच्चे उनके जीवन में परिश्रम और उत्साह भरेंगे । उनका जीवन आशा से जगमगा उठेगा ।

प्रश्न -

१. कवि के अनुसार ' जो लोग हारकर बैठे हैं ' का तात्पर्य क्या है?
२. हमें निराश लोगों में किस प्रकार की उम्मीद जगाना होगा ?
३. ' बुझे चेहरे ' का अर्थ क्या है?
४. हम उदास लोगों में किस प्रकार का जोश भर सकते हैं?

हम उन वीरों के बच्चे हैं ,
जो धुन के पक्के सच्चे थे ।
हम उनका मान बढ़ाएँगे ,
हम जग में नाम कमाएँगे ।

शब्दार्थ -
वीरों = साहसी
धुन = लगन
मान = सम्मान
जग = संसार

भावार्थ -बच्चे उन वीरों की संतान है , जो अपनी धुन के पक्के और सच्चे थे । बच्चे महान कार्य करके संसार में अपना नाम फैलाएँगे ।

प्रश्न -

१. हम किसकी संतान हैं?

२. हमें अच्छे और सच्चे कार्य के लिए क्या प्रतिज्ञा करनी चाहिए ?

३. हमें संसार में किस प्रकार प्रसिद्धि मिल सकती है?

४. **निम्नलिखित शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए** -

संतान - ---------- ----------

संसार - ---------- ----------

प्रश्नोत्तर

मौखिक

२. कम से कम शब्दों में उत्तर दीजिए -
(क) कविता में कवि क्या इच्छा जता रहा है?
उत्तर = बच्चे दुखी असहाय लोगों की मदद करके उनके जीवन को खुशियों से भरना चाहते हैं।

(ख) कविता में कवि ने किसकी बात की है?
उत्तर = कविता में कवि ने उन लोगों की बात की है जो बेसहारा , निराश , गरीब और भिखारी हैं।

(ग) कवि जब गरीब भिखारी को देखता है , तो क्या सोचता है?
उत्तर = कवि सोचता है कि गरीब भिखारी को कोई नहीं पूछता , कवि उनकी स्थिति को सुधारने के बारे में सोचता है।

THANKING YOU

ODM EDUCATIONAL GROUP